

Year - 9 Volume - 34

October 2024

ISSN 2456-0898

वसुधैव कुटुम्बकम्



GLOBAL THOUGHT

(ग्लोबल थॉट)

(MULTI DISCIPLINE MULTI LANGUAGE RESEARCH JOURNAL)

(An International Peer Reviewed Refereed
Quarterly Research Journal)

<http://www.gtirj.com>

अनुक्रमणिका

सम्पादकीय	vii	Hotel Internship: Intern Satisfaction and Development	71
Judicial Review in India : An Analysis	1	Abhishek Raghulan / Dr. Kabirdoss Devi	
Shikha Jaiswal		उपनिषत्सु ब्रह्मणः स्वरूपम्	74
श्रीमद्भगवद्गीतोक्ता नीतिशिक्षा	4	डॉ. प्रीति कौशिक	
डॉ. राम प्रमोल कुमार		✓ स्वातंत्र्योत्तर भारतीय परिवेश का विश्लेषण	77
Reassessing Indian Historical Chronology: The Role of Identifications	9	डॉ. राम किशोर यादव	
Brijbhushan Shukla		भारतीय साहित्य परम्परा में अनुवाद का इतिहास तथा वर्तमान स्वरूप एवं स्थिति	83
षोडश संस्कारों की वर्तमानकालिक प्रासंगिकता ...	15	डॉ. राजेश कुमार पांडेय	
डॉ. मंजुला गुप्ता		लोक कहावतों में जाति-यंत्रणा	87
मानवाधिकार और दलित कविता	21	डॉ. पप्पूराम मीणा / डॉ. सुनील कुमार मांडीवाल	
डॉ. विनीता रानी		भारतीय ज्ञान परंपरा में वर्णित दार्शनिक विचारधारा	92
शिवमहापुराण में वर्णित देवी सती का आदर्श चरित्र चित्रण	26	अमरजीत	
ज्योति शर्मा		Governance and Morality in the Arthashastra: Kautilya's Realism and Ethics	97
आगमपरम्परा और ध्वनि : एक अनुशीलन	30	Mayank Ranjan	
डॉ. अभिषेक कुमार पाण्डेय		Digitalisation of National Agriculture Market Place : An analysis of the trends of growth	105
Technological Hospitality: Customer Satisfaction and Productivity	37	Piyush Prakash	
Jasty P. Joy		Respect, Responsibility and Discipline : The Pillars of Student Success	113
मूर्ख क्रोध कहानी की मानवीय संवेदना	40	Neha Gandhi	
सीमा राठौर			
रचनात्मक लेखन के माध्यम से सामाजिक-सांस्कृतिक, राजनीतिक एवं शैक्षिक सरोकार : एक अध्ययन ..	42		
प्रिया कुमारी / डॉ. राम निवास			
The Anthropocene Era, Environmental Degradation and the Human Greed: Finding a Gandhian Solution to the Environmental Predicament	51		
Meena Kumari			
The Inconvenient Truth About Categorization of Society into Classes : The Parallel between Plato and Gandhi	61		
Shweta			
पाषाण में अध्यात्म : धर्म, साधना और कला को संजोए हंपी नगरी	68		
रेनू कुकरेती			